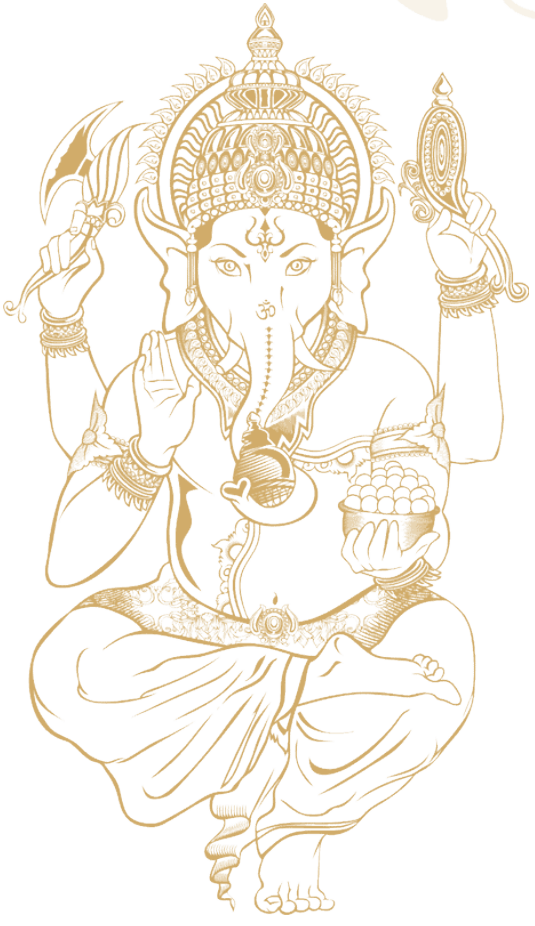

Babu kumar

20 Oct 2022

03:10 AM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121330904

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19-20/10/2022**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**03:10:00 घंटे**
इष्ट	53:19:49 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:20:00 घंटे
वेलान्तर	00:15:01 घंटे
साम्पातिक काल	05:13:22 घंटे
सूर्योदय	05:50:04 घंटे
सूर्यास्त	17:19:45 घंटे
दिनमान	11:29:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	02:18:29 तुला
लग्न के अंश	25:15:04 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शुभ
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डे-डेविड
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	25:15:04	326:49:20	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
सूर्य			तुला	02:18:29	00:59:37	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	नीच राशि
चंद्र			कर्क	26:17:01	12:07:50	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	स्वराशि
मंगल			मिथु	00:39:07	00:08:43	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
बुध			कन्या	19:09:39	01:39:21	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
गुरु	व		मीन	06:38:19	00:06:27	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	स्वराशि
शुक्र		अ	तुला	01:32:21	01:15:07	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
शनि	व		मक	24:25:32	00:00:20	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	स्वराशि
राहु	व		मेष	19:21:35	00:01:50	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	19:21:35	00:01:50	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	सम राशि
हर्ष	व		मेष	23:33:35	00:02:16	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
नेप	व		कुंभ	29:00:30	00:01:19	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	---
प्लूटो			मक	01:58:26	00:00:19	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			वृष	25:06:25	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:19

लग्न-चलित

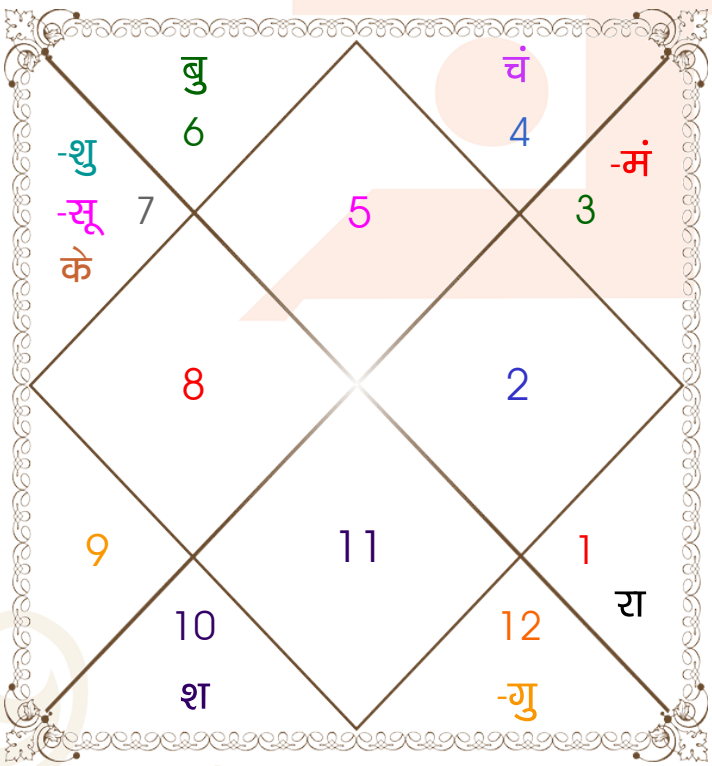

चन्द्र कुंडली

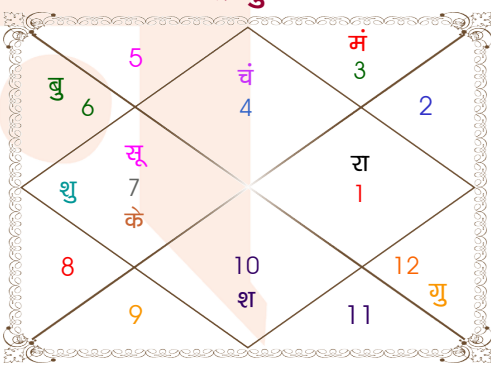

नवमांश कुंडली

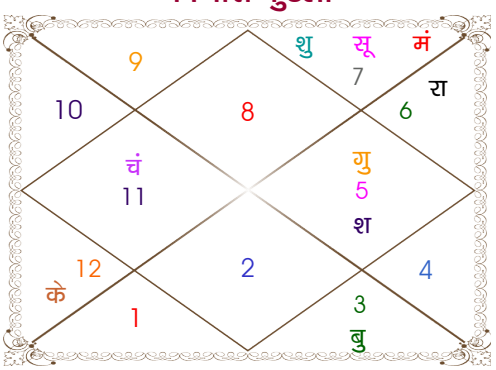

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 4 वर्ष 8 मास 26 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
20/10/2022		16/07/2027		16/07/2034		16/07/2054		16/07/2060	
16/07/2027		16/07/2034		16/07/2054		16/07/2060		16/07/2070	
	00/00/0000	केतु	13/12/2027	शुक्र	15/11/2037	सूर्य	03/11/2054	चंद्र	16/05/2061
	00/00/0000	शुक्र	11/02/2029	सूर्य	15/11/2038	चंद्र	04/05/2055	मंगल	15/12/2061
	00/00/0000	सूर्य	18/06/2029	चंद्र	16/07/2040	मंगल	09/09/2055	राहु	16/06/2063
	00/00/0000	चंद्र	18/01/2030	मंगल	15/09/2041	राहु	03/08/2056	गुरु	15/10/2064
	00/00/0000	मंगल	16/06/2030	राहु	15/09/2044	गुरु	22/05/2057	शनि	16/05/2066
	00/00/0000	राहु	04/07/2031	गुरु	17/05/2047	शनि	04/05/2058	बुध	16/10/2067
	20/10/2022	गुरु	09/06/2032	शनि	16/07/2050	बुध	11/03/2059	केतु	16/05/2068
गुरु	05/11/2024	शनि	19/07/2033	बुध	16/05/2053	केतु	16/07/2059	शुक्र	15/01/2070
शनि	16/07/2027	बुध	16/07/2034	केतु	16/07/2054	शुक्र	16/07/2060	सूर्य	16/07/2070

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
16/07/2070		16/07/2077		16/07/2095		17/07/2111		17/07/2130	
16/07/2077		16/07/2095		17/07/2111		17/07/2130		00/00/0000	
मंगल	12/12/2070	राहु	28/03/2080	गुरु	03/09/2097	शनि	20/07/2114	बुध	13/12/2132
राहु	31/12/2071	गुरु	22/08/2082	शनि	17/03/2100	बुध	29/03/2117	केतु	10/12/2133
गुरु	06/12/2072	शनि	28/06/2085	बुध	23/06/2102	केतु	08/05/2118	शुक्र	10/10/2136
शनि	15/01/2074	बुध	15/01/2088	केतु	30/05/2103	शुक्र	08/07/2121	सूर्य	16/08/2137
बुध	12/01/2075	केतु	02/02/2089	शुक्र	28/01/2106	सूर्य	20/06/2122	चंद्र	16/01/2139
केतु	10/06/2075	शुक्र	02/02/2092	सूर्य	16/11/2106	चंद्र	19/01/2124	मंगल	13/01/2140
शुक्र	09/08/2076	सूर्य	27/12/2092	चंद्र	17/03/2108	मंगल	27/02/2125	राहु	01/08/2142
सूर्य	15/12/2076	चंद्र	28/06/2094	मंगल	21/02/2109	राहु	04/01/2128	गुरु	21/10/2142
चंद्र	16/07/2077	मंगल	16/07/2095	राहु	17/07/2111	गुरु	17/07/2130		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 4 वर्ष 8 मा 15 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।